१.धरती का आँगन महके

– डॉ. प्रकाश दीक्षित

धरती का आँगन महके कर्मज्ञान-विज्ञान से,
ऐसी सरिता करो प्रवाहित खिले खेत सब धान से ।

अभिलाषाएँ नित मुसकाएँ आशाओं की छाँह में,
पैरों की गति बँधी हुई हो विश्वासों की राह में ।

शिल्पकला-कुमुदों की माला वक्षस्थल का हार हो,
फूल-फलों से हरी-भरी इस धरती का शृंगार हो ।

चंद्रलोक या मंगल ग्रह पर चढ़ें किसी भी यान से,
किंतु न हो संबंध विनाशक अस्त्रों का इनसान से ।

साँस-साँस जीवनपट बुनकर प्राणों का तन ढाँकती,
सदाचार की शुभ्र शलाका मन सुंदरता आँकती ।

प्रतिभा का पैमाना मेधा की ऊँचाई नापता,
मानवता का मीटर बन, मन की गहराई मापता ।

आत्मा को आवृत्त कर दें स्नेह प्रभा परिधान से,
करें अर्चना हम सब मिलकर वसुधा के जयगान से ।

— ० —

परिचय

जन्म : १९२९, इटावा (उ.प्र.)
मृत्यु : २०१२
परिचय : आजीवन अध्यापक रहे डॉ. दीक्षित जी 'अर्चना', 'मणिप्रभा', 'ज्ञानार्जन' आदि पत्रिकाओं के संपादक रहें । 'अमर उजाला' समाचार पत्र में पत्रकारिता भी की । आपकी रचनाएँ विविध पत्र-पत्रिकाओं की शोभा बढ़ाती रहीं ।
प्रमुख कृतियाँ : 'अर्चनांजलि', 'मंगलपथ', 'दोहावली', 'राष्ट्रीय स्वर' (कविता संग्रह) आदि ।

पद्‍य संबंधी

प्रस्तुत नई कविता में कविवर डॉ. दीक्षित जी ने कर्म, ज्ञान एवं विज्ञान की महत्ता स्थापित की है । आपका कहना है कि हम ज्ञान-विज्ञान के बल पर भले ही आसमान को नाप लें परंतु विनाशक शस्त्रास्त्र से मानवता को बचाना भी आवश्यक है । यह तभी संभव होगा जब समाज में सदाचार, स्नेह बढ़ेगा ।

कल्पना पल्लवन

'विश्व शांति की माँग सर्वाधिक प्रासंगिक है', इस तथ्य पर अपने विचार लिखो ।

शब्द वाटिका

शलाका = सलाई
आँकना = अंदाजा लगाना, मूल्य बताना
पैमाना = नाप-तौल, मापदंड
मेधा = बुद्‌धि
आवृत्त = ढँका, लौटाया हुआ
वसुधा = धरती, अवनि, धरा

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-**

(१) प्रवाह तालिका पूर्ण करो :

कवि की अपेक्षाएँ
↓ ______
↓ ______
↓ ______
↓ ______

(२) कृति पूर्ण करो :

______ — धरती का आँगन इनसे महके — ______

______ — धरती का शृंगार इनसे होगा — ______

(३) उत्तर लिखो :

१. मेधा की ऊँचाई नापेगा - ______
२. हम सब मिलकर करें - ______

(४) कृति करो :

मानव अंतरिक्ष यान से यहाँ पहुँचा है ।
______
______

भाषा बिंदु

(अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखो तथा उनका वाक्यों में प्रयोग करो :
शरीर, मनुष्य, पृथ्वी, छाती, पथ

(आ) पाठों में आए सभी प्रकार के सर्वनाम ढूँढ़कर उनका अपने वाक्यों में प्रयोग करो ।

उपयोजित लेखन

'छाते की आत्मकथा' विषय पर निबंध लिखो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन

प्राचीन भारतीय शिल्पकला संबंधी सचित्र जानकारी संकलित करो, विशेष कलाकृतियों की सूची बनाओ ।

IYYKQQ